व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

कटाई और सिलाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह – केशव

एसएचजी/सीआईजी नाम	केशव
वीएफडीएस नाम	कुडनु दरकोटी
रेंज	जोगिन्द्रनगर
वन मंडल	जोगिन्द्रनगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

सामग्री की तालिकाएँ

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	5
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	6
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन का विवरणप्रक्रिया	7
9.	संकट विश्लेषण	7
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	7
11.	विवरणअर्थशास्त्र का	8-9
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
13.	निधि के स्रोत	10
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	11
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	11
17.	निगरानीतरीका	11
18.	टिप्पणी	11
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	12
20.	समूह फोटो	12
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	13
22.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	14

1. परिचय-

कटिंग और टेलरिंग को कपड़ों की सिलाई के रूप में भी जाना जाता है। कटिंग और टेलरिंग के इस कौशल का उपयोग सूट, रूमाल और सभी आयु समूहों के विभिन्न शैलियों के विभिन्न कपड़े पहनने के लिए किया जाता है, घरेलू उत्पाद जैसे टेबल कवर, पर्दे आदि ग्रामीण भारत में मुख्य रूप से महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस IGA से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे इसे अपने खाली समय में और साथ ही साथ अन्य घरेलू कामों के साथ खुशी से करती हैं। उनके द्वारा इसे स्वयं करने का एक कारण पैसा बचाना है। इस SHG की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। SHG के रूप में पहले से मौजूद विभिन्न आयु वर्ग की 10 महिलाओं का एक समूह भी JICA परियोजना का हिस्सा बनने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद। केशव SHG समूह ने सामूहिक रूप से कटिंग और टेलरिंग को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में चुनने का फैसला किया है। केशव SHG का गठन 1999 में किया गया था।08-11-2023हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत, जो वीएफडीएस कुडनू दरकोटी के अंतर्गत आते हैं। इस एसएचजी में 10 महिलाएं हैं। इन महिलाओं को पहले से ही कटाई और सिलाई का थोड़ा बहुत अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बनेंगी। वे कपड़े सिलने में सक्षम होंगी और आत्मनिर्भर बनेंगी और आय अर्जित करेंगी। इस एसएचजी की विस्तृत व्यावसायिक योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	केशव
2.	वीएफडीएस	कुडनु दरकोटी
3.	रेंज	जोगिन्द्रनगर
4.	वन मंडल	जोगिन्द्रनगर
5.	गाँव	दरकोटी
6.	ब्लॉक ऑफिस	चौंतरा
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	10
9.	गठन की तिथि	08-11-2023
10.	बैंक खाता सं.	31610107304 एचपीएससी0000316
11 I	बैंक विवरण	एचपीएससीबी मकरिरी
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	500(50 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	5000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र०	एसएचजी सदस्यों का नाम	पद का नाम	लिंग	वर्ग	आय स्रोत	फोटो
1.	नीतू देवी, पत्नी. संजय कुमार, गांव दरकोटी, पो.द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 8091025135	प्रधान	महिला	जनरल	कृषि	
2.	आशा देवी, पत्नी. संदीप चंद, ग्राम दरकोटी, पो. द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 9015067811	सचिव	महिला	जनरल	कृषि	
3.	जुल्मा देवी, पत्नी. सुशील कुमार, गांव दरकोटी, पो.द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 7807416573	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
4.	सुमना देवी, पत्नी. नागपाल सिंह, गांव दरकोटी, पो.द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 9418511495	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
5.	पूनम देवी, पत्नी राजमल, गांव दरकोटी, पो.द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 9418753365	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
6.	सपना देवी, पत्नी. सुरजीत सिंह, गांव दरकोटी, पो.द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 9418930721	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
7.	रीनू देवी, पत्नी। गोपाल सिंह, ग्राम दरकोटी, डाकघर द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 8628055269	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	

स्वयं सहायता समूह का नाम: केशव **वीएफडीएस:** कुडनू दरकोटी **रेंज:** जोगिंदरनगर **वन प्रभाग:** जोगिंदरनगर।

8.	मीना देवी, पत्नी. सुनील कुमार, ग्राम दरकोटी, डाकघर द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 7973742892	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
9.	सरिता देवी, पत्नी. जय सिंह, ग्राम दरकोटी, डाकघर द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 9418276508	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	
10.	पूजा, पत्नी। नवीन परमार, ग्राम दरकोटी, डाकघर द्राहल, तहसील जोगिंदर नगर, जिला। मंडी फ़ोन नं. 8988512124	सदस्य	महिला	जनरल	कृषि	

4. गांव का भौगोलिक विवरण

5.	1	जिला मुख्यालय से दूरी	30 किमी
	2	मुख्य सड़क से दूरी	4 किमी
	3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	जोगिंदर नगर एवं 30 किमी
	4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	जोगिंदर नगर एवं 30 किमी
	5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	✧ मंडी – 70 किमी ✧ जोगिन्द्रनगर – 30 किमी ✧ पालमपुर - 72 किमी ✧ बैजनाथ – 52 किमी
	6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	✧ मंडी ✧ जोगिन्द्रनगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. बाजार की संभावनाएं-

कटिंग और टेलरिंग का हुनर सीखने के बाद, यह केशव SHG अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन के तेजी से बढ़ने और बदलने के साथ बाजार में बहुत संभावनाएं हैं, सिलाई के कपड़ों की मांग पूरे साल रहेगी। अलग-अलग मौसम होते हैं और उनमें अलग-अलग तरह के कपड़ों की जरूरत होती है, जो यह भी सुनिश्चित करता है कि यह व्यवसाय टिकाऊ रहेगा क्योंकि पूरे साल मांग रहेगी। त्योहारों या शादियों के मौसम में इस SHG के ग्राहकों की संख्या में उछाल देखने को मिलेगा।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गांव - कुडनु दरकोटी
2	सिलाई कार्य की मांग	वर्ष भर त्यौहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा कटिंग और टेलरिंग आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं, लेकिन अब वे अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस समूह द्वारा प्रारंभ में विभिन्न प्रकार के सूट सिले जाएंगे। ग्राहकों की मांग के अनुसार सूट सिले जाएंगे।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है, ताकि प्रत्येक सदस्य आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप अतिरिक्त धन उनकी जेब में आ सके।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	सिला हुआ सूट
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	एक सूट तैयार करने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित सिले हुए सूट	शुरुआत में 16 सूट

9. संकट विश्लेषण-

- कौशल आधारित
- मांग संचालित
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

कुछ लोग काटने में शामिल होंगे।

अन्य लोग सिलाई में लगे रहेंगे

कुछ लोग सिले हुए सूटों की अंतिम फिनिशिंग में लगे रहेंगे।

और अन्य अंतिम उत्पाद की उचित इस्त्री और पैकिंग में होगा।

11. अर्थशास्त्र का विवरण –

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु.)**
1	सिलाई मशीन	10	8500	85000
2	इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
3	दर्जी कैंची	10	500	5000
4	टेलरिंग रूलर सेट	10	600	6000
5	सिलाई दर्जी टेप	10	50	500
6	लौह प्रेस	4	1200	4800
7	अलमारी	2	रास	10000
8	कांटा	4 सेट	रास	800
9	कुर्सियां, मेज	लगभग	रास	3000
कुल पूंजी लागत (ए) = 1,21,000 रुपये				

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई धागे, बटन, ज़िप, सूट अस्तर आदि	उत्तर	रास	रास	4000
2	कमरे का किराया	महीना	1	2000	2000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	रास	2000
4	अन्य (परिवहन, स्टेशनरी, बिजली बिल, मशीन मरम्मत0	महीना	रास	रास	3000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 11,000					

नोट – समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। शामिल किया गया है और सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंधन करेंगे पालन किया। प्रत्येक महिला प्रतिदिन 4-5 घंटे काम करेगी।

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	11,000
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	12,100
कुल = 23,100		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**
1	साधारण सूट	1	250-300
2	अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	350-400

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	12,100
2	कुल आवर्ती लागत	11,000
3	प्रति माह कुल सिले हुए सूट	300 (लगभग मात्रा)
4	सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	300
5	आय पीढ़ी	90,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	79,000
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,21,000	90,750	30,250
2	कुल आवर्ती लागत	11,000	0	11,000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	1,00,000	1,00,000	0
कुल		**2,32,000**	**1,90,750**	**41,250**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत –

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के अलावा अन्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/ उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकता ओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसी सीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए	

योगदान	पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजीगत लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

=1,21,000 /(250-180)
= 1,21,000 /70

इस प्रक्रिया में 1728.5 सूट सिलाई के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18. टिप्पणी

सदस्य ओबीसी श्रेणी के हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं और परियोजना को इसका खर्च वहन करना होगा। शेष 75%

19. समूह फोटो

स्वयं सहायता समूह का नाम: केशव **वीएफडीएस:** कुडनू दरकोटी **रेंज:** जोगिंदरनगर **वन प्रभाग:** जोगिंदरनगर।

19. संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Keshav held on 24/01/2024 at Kudnu Darkoti that our group will undertake the Cutting & Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Neetu Devi
Signature Of group President

Asha Devi
Signature Of group secretary

केशव स्वयं सहायता समूह
गांव दरकोटी, डा द्राहल
तह. जो. नगर, जिला मण्डी

Sushil Kumar
Signature of President VFDS

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति कुडणु-दरकोटी
ग्राम पंचायत द्राहल, तह. जो. नगर,
जिला मण्डी (हि.प्र)

स्वयं सहायता समूह का नाम: केशव **वीएफडीएस:** कुडनू दरकोटी **रेंज:** जोगिंदरनगर **वन प्रभाग:** जोगिंदरनगर।

20. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन

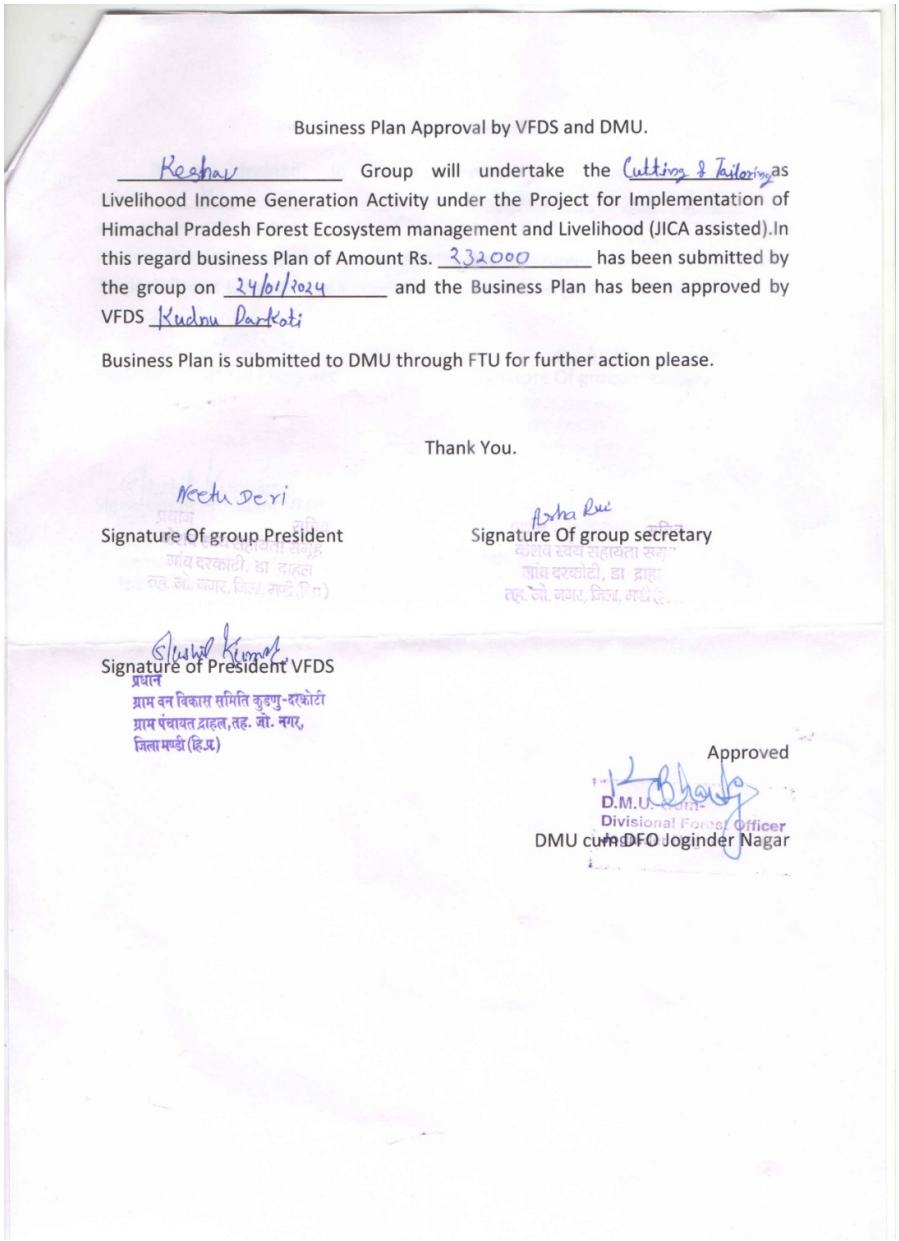

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Keshav Group will undertake the Cutting & Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 232000 has been submitted by the group on 24/01/2024 and the Business Plan has been approved by VFDS Kudnu Darkoti

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Neetu Devi
Signature Of group President

Asha Rai
Signature Of group secretary

Signature of President VFDS
प्रधान
ग्राम वन विकास समिति कुदणु-दरकोटी
ग्राम पंचायत द्राहल,तह. जो. नगर,
जिला मण्डी (हि.प्र.)

Approved
D.M.U.
Divisional Forest Officer
DMU cum DFO Joginder Nagar